त्रिकाल दृष्टि

हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

रजि. नं.- MPHIN - 31958

सच का दर्पण

वर्ष-1 अंक-4, भोपाल, 16 से 31 दिसम्बर 2015 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

चलती ट्रेन में किशोरी को जबरन शराब पिलाकर किया गैंगरेप

नई दिल्ली। झारखंड के देवघर में हावड़ा-अमृतसर एक्सप्रेस ट्रेन में सफर कर रही एक किशोरी ने सेना के जवानों पर गैंगरेप करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि चलती ट्रेन में सेना के जवानों ने उसे जबरन शराब पिलाई और उसके साथ गैंगरेप किया।

गुजरात हाईकोर्ट ने दी नाबालिग रेप पीड़िता के गर्भ को गिराने की अनुमति

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने 16 साल की एक बलात्कार पीड़िता के माता-पिता की प्रार्थना पर उचित चिकित्सकीय देखरेख में लड़की के आठ सप्ताह के गर्भ को गिराने की अनुमति दे दी है। चिकित्सकीय गर्भपात अधिनियम के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति केजे ठाकर ने स्थानीय पुलिस को लड़की को यहां सोला सिविल अस्पताल में ले जाने और उसका गर्भपात कराने से पहले कल तक डॉक्टरों की ताजा मेडिकल रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया।

मेडिकल जांच के बाद कथित दुष्कर्म के बारे में पता चला अदालत का आदेश लड़की के माता-पिता की एक अर्जी पर आया, जिन्हें अपनी बेटी के साथ कथित दुष्कर्म के बारे में तब पता चला जब वे 12 दिसंबर को मेडिकल जांच के लिए उसे सोला सिविल अस्पताल लेकर गए।

युवक ने तीन बार किया बलात्कार : लड़की ने यहां सोला पुलिस में दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया कि एक युवक ने पिछले तीन महीने में तीन बार उसके साथ बलात्कार किया, जिससे उसका गर्भ ठहर गया। शिकायत के आधार पर सोला पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और जेल में डाल दिया।

आज से दिल्ली में CNG कारों पर लगेंगे स्टिकर, अधूरी तैयारी पर सवाल?

नई दिल्ली। दिल्ली में एक जनवरी से शुरू हो रही ऑड-इवन स्कीम से सीएनजी कारों को छूट मिली है। लेकिन उन सभी सीएनजी कारों को विंड स्क्रीन पर आईजीएल की ओर से जारी किया गया स्पेशल स्टिकर लगाना होगा। आज से स्पेशल स्टिकर लगाने का काम शुरू हो गया है, लेकिन इस योजना को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। अधूरी तैयारी की वजह से यह योजना सहूलियत की बजाय परेशानी का सबब बन सकता है।

दिल्ली सरकार ने देश की राजधानी में रहने वालों की सेहत की फिक्र करने में इतनी देर कर दी कि अब आबोहवा को ठीक करने की कोशिशें भी परेशानी का सबब बनने वाली हैं। जरूरत से कम सीएनजी पंप स्टेशन और ईंधन के लिए गाड़ियों की लंबी कतारें। दिल्ली वाले उन दिनों को भूले भी नहीं थे कि अब नई परेशानी सामने तैयार है। दिल्ली की हवा में जहर घोलने वाली गाड़ियों पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने एक फैसला किया।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

केरल में शराब की बिक्री पर जारी रहेगी रोक

केरल। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केरल में शराबबंदी लागू करने के तहत केरल सरकार की बनाई नीति पर अपनी मुहर लगा दी है. राज्य में दस सालों के भीतर शराब पर पूरी तरह रोक लगाने के तहत बनाई नीति के अनुसार सिर्फ पांच सितारा होटलों को शराब परोसने की अनुमति दी गई है.

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की इस नीति के तहत केरल के बारों में शराब पर रोक जारी रखी है. सिर्फ पांच सितारा होटलों में शराब परोसी जाएगी जबकि 2, 3 और 4 सितारा बार वालों की याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

होटल और बार मालिकों ने दायर की थी याचिका

शराब परोसे जाने को लेकर केरल सरकार ने राज्य में नई नीति बनाई थी जिसके तहत सिर्फ पांच सितारा होटलों में ही शराब परोसी जा सकेगी. राज्य के होटल और बार मालिकों ने इस नीति को हाइकोर्ट में चुनौती दी थी लेकिन हाई कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

केरल में पी जाती है सबसे ज्यादा शराब

केरल में सबसे ज्यादा 14.9 फीसदी शराब की खपत है. राज्य में शराबबंदी की नीति बनाई गई है जिसके तहत सरकार ही शराब की सप्लाई करती है और राज्य में शराब की 732 दुकानें हैं जहां से शराब खरीदी जा सकती है. राज्य में सिर्फ 20 पांच सितारा होटल हैं और सिर्फ उन्हें ही बार के लाइसेंस दिए गए हैं।

DDCA: जांच आयोग के मुखिया ने डोभाल से मांगे IB और CBI अफसर

नईदिल्ली। डीडीसीए मामले में दिल्ली सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील गोपाल सुब्रमण्यम की अध्यक्षता में बनाए गए जांच आयोग ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से जांच के लिए कुछ अफसरों की मांग की है. सुब्रमण्यम ने इसके लिए 28 दिसंबर को डोभाल को चिट्ठी भी लिखी है. उन्होंने लिखा है कि सही तथ्यों तक पहुंचने के लिए अच्छे जांच अधिकारियों का होना बेहद जरूरी है. इसलिए उन्हें जांच के लिए मैनपावर मुहैया कराई जाए.

5-5 अधिकारियों की रखी मांग सुब्रमण्यम ने डोभाल को चिट्ठी लिखकर कहा है कि जॉइंट डायरेक्टर या इससे नीचे के लेवल के पांच आईबी ऑफिसर, 5 सीबीआई ऑफिसर और पांच दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के नाम सुझाएं. साथ ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी चिट्ठी लिखकर एंटी करप्शन ब्रांच से भी 5 अधिकारी देने को कहा है. उन्होंने उम्मीद जताई है कि ऐसे ईमानदार अधिकारियों के नाम मिलना ज्यादा मुश्किल का काम नहीं है.

डोभाल को इसलिए लिखा खत सुब्रमण्यम ने आशंका जताई है कि डीडीसीए जांच में कुछ ऐसे तथ्यों का खुलासा भी हो सकता है जिसका राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंध हो सकता है. सुब्रमण्यम ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए लिखा है कि इसी वजह से आपसे उचित अधिकारियों के नाम सुझाने की गुजारिश है, जो पूरी नैतिकता के साथ जांच में अपना सहयोग दें।

नूतन वर्ष 2016

पर सभी प्रदेशवासियों को

त्रिकाल दृष्टि व आयुष समाधान परिवार

की ओर से बहुत-बहुत शुभकामनाएं!

मीसा और राबड़ी को राज्यसभा भेजेंगे लालू, दिल्ली में बड़े बंगले पर नजर

नईदिल्ली। राजनीति में परिवारवाद की रणनीति अपनाने वाले लालू प्रसाद अब अपनी पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के साथ अपनी सबसे बड़ी बेटी मीसा भारती को अगले साल होने वाले चुनाव में राज्यसभा पहुंचाने की तैयारी में हैं. राज्यसभा में हर दो साल में चुनाव होते हैं.

आरजेडी के सूत्रों से पता चला है कि राबड़ी और मीसा बिहार के उम्मीदवार बनाए जाने की संभावित है. विधानसभा चुनाव में 80 सीटें हासिल करने वाली आरजेडी दो और वोट के जरिए इन दोनों का चयन आसानी से करवा सकती है. चुनाव जीतने के लिए हर उम्मीदवार को 41 वोटों की जरूरत होती है.

राबड़ी देवी को मिलेगा बड़ा बंगला

जेडीयू सांसदों के रिटायर होने पर जुलाई 2016 में राज्यसभा की पांच सीटें खाली हो जाएंगी. आरजेडी के सूत्रों का कहना है कि %लालू ने अक्सर कहा है कि वह राष्ट्रीय स्तर पर और नीतीश कुमार राज्य स्तर पर काम करेंगे. राबड़ी और मीसा का नामांकन राजधानी में घर पाने के लिए उनका पहला कदम होगा।

जमीन विवाद में एक की हत्या, पांच घायल

नागदा (उज्जैन)। जमीन विवाद के चलते खेत पर खोदी चेर (नाली) बंद करने रविवार को गए एक पक्ष के लोगों पर दूसरे पक्ष ने हथियारों से हमला कर दिया इसमें एक की मौत हो गई। हमले में पांच लोग घायल भी हुए हैं। बस स्टैंड क्षेत्र निवासी करणसिंह गुर्जर, हीरालाल गुर्जर, छगन गुर्जर, प्रकाश, गोपाल व सचिन रविवार को इंगोरिया रोड स्थित एक विवादित जमीन पर पहुंचे। यहां ये सभी एक दिन पहले दूसरे पक्ष के विष्णु व पर्वत द्वारा जेसीबी से खोदी गई चेर को बंद कर रहे थे। इस बात की जानकारी विष्णु को लगी तो वह अपने दर्जनभर साथियों के साथ मौके पर पहुंच गया। इस दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी हुई। इसके बाद विष्णु व उसके साथियों ने धारदार हथियार सहित लट्ठ व पाइप से करणसिंह और उसके साथियों पर हमला कर दिया। इस हमले से बेखबर पहले पक्ष करणसिंह गुर्जर, हीरालाल गुर्जर सहित अन्य पांच लोग बुरी तरह घायल हो गए। घायलों को सरकारी अस्पताल में उपचार दिया जा रहा है। करणसिंह व हीरालाल की हालत गंभीर होने पर दोनों को उज्जैन रेफर किया था। लेकिन रास्ते में ही करणसिंह की मौत हो गई। मामले में शाम को बिरलाग्राम थाने में विष्णु बैरागी सहित अन्य लोगों के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है।

कुलपति सहित पांच लोगों को हाईकोर्ट का नोटिस

इंदौर। मप्र हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने डीएवीवी के कुलपति चयन समिति में सदस्य बनाने की प्रक्रिया के मामले में राज्यपाल रामनरेश यादव, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलपति, गणेश कवाड़िया, पीके गुप्ता और गुलाब शर्मा को नोटिस जारी किया है। सभी को 15 जनवरी तक नोटिस का जवाब देने के लिए कहा गया है, नहीं तो पूरी प्रक्रिया रूक सकती है। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि जो लोग खुद कुलपति पद के उम्मीदवार हैं। उन्होंने कुलपति चयन समिति के सदस्यों को चयन किया है। इसके लिए जो प्रक्रिया अपनाई गई वह गलत है। इसलिए इसे रोक देना चाहिए। जानलेवा हुई शहर की सड़कें, रोटरी और चौराहे भी खतरनाक इंडियन रोड कांग्रेस के विशेषज्ञ देशभर की सड़कों को बेहतर बनाने के लिए जिस शहर में चिंतन कर रहे हैं, उसी शहर की सड़कों पर सफर सुरक्षित नहीं है। न तो यहां के चौराहों पर सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन किया गया है और न ही रोटरी यातायात में मददगार बन रही है। रोड पर कुछ डेंजर जोन भी हैं। अधिवेशन में शामिल होने आए दो विशेषज्ञों ने रविवार को नईदुनिया के साथ चार प्रमुख जगहों का सेफ्टी ऑडिट किया। आईआईटी रुड़की के सिविल विभाग के प्रोफेसर मनोरंजन परिडा और केंद्रीय सड़क अनुसंधान, नई दिल्ली की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पूर्णिमा ने सड़कों और डेंजर जोन बने चौराहों की तकनीकी खामियां देखकर सुझाव दिए।

सिंहस्थ महाकुंभ में सोनिया और राहुल भी आएंगे

उज्जैन। सिंहस्थ में कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और महासचिव राहुल गांधी भी आएंगे। गांधी परिवार के सदस्य कुंभ मेले में बड़नगर रोड पर लगने वाले टीकरमाफी आश्रम और द्वारिका शारदापीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद लेंगे। स्वामी हरिचैतन्य ब्रह्मचारी ने गांधी परिवार के सिंहस्थ में आने की पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में स्वामी हरिचैतन्य ब्रह्मचारी का बड़ा आश्रम है। टीकरमाफी के नाम से आश्रम का संचालन होता है। आश्रम से गांधी परिवार का जुड़ाव पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के समय से है। राजीव गांधी के बाद इस परंपरा का निर्वाह राहुल और सोनिया निभाते चले आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद भी राहुल गांधी ने टीकरमाफी आश्रम जाकर स्वामीजी से आशीर्वाद लिया था। चर्चा में स्वामी हरिचैतन्य ने बताया कि राहुल से सिंहस्थ पर चर्चा हुई है।

महापौर ने रस्साकशी में लगाया दम

उज्जैन। करीब सालभर बाद रविवार को फिर प्रशासन द्वारा शुरू किए राहगिरी उत्सव में 15 हजार से ज्यादा लोग जुटे। कुछ ने नृत्य, नाटिका के माध्यम से मनोरंजन किया तो कुछ ने कैरम, रस्साकशी, रस्सीकूद, सितौलिया खेलकर। महापौर मीना जोनवाल ने रस्साकशी में हाथ आजमाया और कलेक्टर ने लोगों संग कई गीत गुनगुनाए। कोठी रोड पर सुबह 6 से 9 बजे तक उत्सवी और खुशनुमा माहौल बना रहा। पानी, बिजली बचाने का संदेश संस्था रूपांतरण के बैनर तले युवाओं ने बिजली, पानी बचाने और स्वच्छता बरकरार रखने का संदेश नुक्कड़ नाटक के जरिये दिया। प्रतिभा कला संस्थान की बालिकाओं ने लोकनृत्य, मनोविकास विशेष विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृति प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोहा। रोजगार शुरू करने को चेक भी बांटे राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन और मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजनांतर्गत हितग्राहियों को रोजगार शुरू करने के लिए कलेक्टर कवींद्र कियावत और महापौर मीना जोनवाल के हाथों चेक भी वितरित किए गए। मिशन अंतर्गत देवी अवंतिका स्वसहायता समूह की आठ महिलाओं को 20-20 हजार रुपए और मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजनांतर्गत ई-रिक्शा खरीदने के लिए आठ हितग्राहियों को 1.40-1.40 लाख रुपए के चेक प्रदान किए।

स्वास्थ्य

अंग निकालने वाले अस्पताल में ही

सरकारी डॉक्टरों की मौजूदगी में होगा पोस्टमार्टम

इंदौर। अंगदान करने वाले के परिवार को पांच साल का स्वास्थ्य बीमा मुफ्त दिया जाएगा। इंदौर से भेजे गए इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार ने मंजूर कर लिया है। इसे लेकर सरकार नीति बना रही है। इसके बाद हर राज्य में इसे लागू किया जाएगा।

साथ ही प्रदेश में किसी निजी अस्पताल में भी अंगदान होने के बाद शव के पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल ले जाने का झंझट नहीं होगा। ऐसी व्यवस्था होगी कि अंगदान के दौरान सरकारी डॉक्टर वहीं मौजूद रहेंगे और अंगदान के बाद वहीं पोस्टमार्टम हो जाएगा।

इससे किसी ब्रेनडेड या सामान्य मृत्यु के केस में अंगदान के बाद परिजन को शव के पोस्टमार्टम के लिए एंबुलेंस का इंतजाम कर सरकारी अस्पताल नहीं जाना पड़ेगा। अंगदान के बाद डेथ सर्टिफिकेट के लिए भी परिजन को परेशान नहीं होना पड़ेगा। इसकी प्रक्रिया का भी सरलीकरण किया गया है।

इंदौर के महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज की ओर से काउंसिल के अध्यक्ष और संभागायुक्त संजय दुबे ने इस तरह का प्रस्ताव मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्वास्थ्य को भेजा है। सरकार ने इस पर अपनी सहमति दे दी है। जल्द ही इसके नियम जारी होने की संभावना है।

परिजन ही बता सकेंगे बॉडी अंगदान लायक है या नहीं अंगदान में अब तक यह व्यवस्था है कि यदि कोई व्यक्ति अंगदान करना चाहता है और उसकी मौत के बाद परिजन जब शव को लेकर अस्पताल पहुंचते हैं तो कई बार डॉक्टर मना कर देते हैं। डॉक्टर बताते हैं कि बॉडी की हालत ठीक नहीं है, इसलिए अंग नहीं निकाले जा सकते। तब परिजन शव को वापस लाते हैं और इस प्रक्रिया में घंटों परेशान होना पड़ता है।

नई व्यवस्था में यह सुविधा जुड़ने वाली है कि परिजन बॉडी की कंडीशन देखकर फोन पर ही डॉक्टरों को बता सकेंगे कि बॉडी की हालत कैसी है। यदि शरीर पर फफोले नहीं हैं, शरीर नीला नहीं पड़ा है और उसे कोई इंफेक्शन नहीं है, तो डॉक्टर कह सकते हैं अंगदान के लिए शव ले आइए। उस कंडीशन में जब परिजन शव लेकर अस्पताल पहुंचेंगे तो डॉक्टर अंग लेने से मना नहीं कर सकेंगे। इसके साथ ही परिजन को डेथ सर्टिफिकेट भी मिल जाया करेगा।

नियमों को सरल बनाने प्रस्ताव

डॉक्टरों के इंतजार, पोस्ट मार्टम, एंबुलेंस और डेथ सर्टिफिकेट की प्रक्रिया में कई बार अंगदान करने वाले के परिजन इतने परेशान होते हैं कि उन्हें लगता है कि हमने अंगदान करके गलती कर दी। परिजन को इस असुविधा से बचाने के लिए ही हमने सरकार को नियमों में सरलीकरण का प्रस्ताव भेजा है। यह मान लिया गया है।

महिला होमगार्ड से छेड़छाड़ में आसाराम का सेवक गिरफ्तार

इंदौर। अन्नपूर्णा पुलिस ने आसाराम के पुराने सेवक और घर से आश्रम चलाने वाले स्कीम नंबर 71 निवासी कृष्ण कुमार को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। वह इलाके की ही एक महिला होमगार्ड से छेड़खानी करता था। सेवा के बहाने वह हर मंगलवार रणजीत हनुमान मंदिर भी आता-जाता था। उसने वहां भी महिला कर्मी से छेड़छाड़ की थी। महिलाकर्मी ने बताया कि वह उसे नजरअंदाज कर देती थी। जब अति हुई तो सामने आना पड़ा महिलाकर्मी ने बताया कि वह शादीशुदा है। बदमाश द्वारा की गई हरकतों को बताकर बदनाम नहीं होना चाहती थी। 15 दिसंबर (मंगलवार) को भी जब वह दर्शन करने रणजीत हनुमान मंदिर पहुंची तो कृष्ण कुमार ने उसका हाथ पकड़ा और शादी के लिए दबाव बनाने लगा। महिलाकर्मी ने चिल्लाया तो उसे धक्का मार कर फेंक दिया। फिर शारीरिक संबंध बनाने के लिए कहने लगा। महिला जैसे-तैसे छूटकर भाग निकली।

घर पहुंचकर दी धमकी फिर महिलाकर्मी ने मंदिर जाना बंद कर दिया तो आरोपी को लगा कि वह रिपोर्ट दर्ज करा देगी। आरोपी महिला के घर पहुंचा और परिवार को जान से मारने की धमकी देने लगा। उसका कहना था कि यदि पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराई तो वह किसी को नहीं छोड़ेगा। आखिर में महिलाकर्मी आगे आई और पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराने के साथ उसे गिरफ्तार भी कराया। आसाराम से घर के आश्रम तक लोगों के अनुसार वह आसाराम आश्रम का पुराना सेवक था। जब से आसाराम की गिरफ्तारी हुई उसने भी आश्रम से दूरी बना ली। उसके बाद वह घर से ही आश्रम चलाने लगा। बाद में वह महिलाओं पर निगरानी रखने और छेड़छाड़ करने के लिए हर मंगलवार रणजीत हनुमान मंदिर जाने लगा। उसे यकीन था कि यहां कोई उसे कुछ नहीं बोलेगा। फिर वह प्रसादी व्यवस्था में जुट गया।

मंत्री सुश्री कुसुम महदेले क्षिप्रा शुद्धिकरण अभियान में शामिल हुई

क्षिप्रा मित्र हस्ताक्षर अभियान से जुड़े नागरिक

भोपाल। उज्जैन में रविवार 20 दिसम्बर को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पशुपालन, उद्यानिकी, खाद्य प्र-संस्करण, मत्स्य-विकास, कुटीर और ग्रामोद्योग मंत्री सुश्री कुसुम महदेले उज्जैन मे चल रहे क्षिप्रा शुद्धिकरण अभियान में शामिल हुईं। उन्होंने क्षिप्रा मित्र हस्ताक्षर अभियान से जुड़ने के लिये नागरिकों से अपील भी की। सफाई अभियान में सिंहस्थ केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष श्री माखन सिंह, सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री दिवाकर नातू, महापौर श्रीमती मीना जोनवाल और अन्य अधिकारी मौजूद थे। मंत्री सुश्री महदेले ने विभागीय कार्यों का निरीक्षण किया। सिंहस्थ-2016 के आयोजन की तैयारियों में सबको बेहतर ढंग से भूमिका अदा करने के लिये कहा। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा अब तक किये गये कार्य की सराहना भी की। मंत्री सुश्री महदेले ने कहा कि वह सफाई अभियान में भाग लेने दोबारा उज्जैन आयेंगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से आधुनिक तकनीकी से लेस 4 करोड़ 36 लाख के इंटेक वेल का निर्माण किया गया है। इसमें 6 पम्प द्वारा 100 फीट नीचे से सिंकिंगवेल मेथड से पानी लिफ्ट किया जायेगा।

पुलिस सूदखोरों से दूर, सरकार कानून बनाने में लाचार

भोपाल। सूदखोरों की धमकी से परेशान करोबारी ऋषभ त्रिपाठी ने हंसता खेलता परिवार छोड़ मौत को गले लगाने पर मजबूर हो गया। उसने सुसाइड नोट में अपनी मौत के जिम्मेदारों का खुलासा भी किया। परिजनों ने लगातार मिल रहीं धमकियों की पुष्टि की, लेकिन राजधानी की सुस्त पुलिस 24 घंटे बाद भी नामजद सूदखोरों को तलाश नहीं कर पाई। इधर मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद भी प्रदेश सरकार सूदखोरों के खिलाफ पांच साल बाद भी सख्त कानून नहीं बना सकी।

ऋषभ की मौत के मामले में गुरुवार को पुलिस सिर्फ आरोपियों के घर तक पहुंच सकी। आरोपी नहीं मिलने पर खाली हाथ लौटकर आ गई। पुलिस ने न तो आरोपियों के परिजनों से सख्ती से पतासाजी करने की कोशिश की और न ही अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। स्थिति यह रही कि आरोपी पुलिस के चकमा देकर भूमिगत हो गए। पुलिस 24 घंटों में ऋषभ की खुदकुशी के मामले में आरोपी यासिर, फैज, नीता शर्मा, मंजीत गांधी, टीसीसिंह के खिलाफ धारा-306 के तहत सिर्फ केस दर्ज करने की खानापूर्ति ही कर सकी। इस मामले में हबीबगंज थाना प्रभारी सुधीर अरजरिया के मुताबिक आरोपियों में फैज,यासिर के पुराने शहर में कोहेफिजा इलाके में रहने का पता चला है। मंजीत गांधी अशोकागार्डन क्षेत्र में रहता है। सुसाइड नोट में जो मोबाइल नंबर लिखे मिले हैं, वे सभी घटना के बाद से बंद आ रहे हैं। उनके आधार पर पूर्व में हुई बातचीत और लोकेशन निकाली जा रही है। घटना के बाद ऋषभ के परिजनों ने अभी किसी तरह के कोई बयान नहीं दिए हैं। इससे अभी पता नहीं चल पा रहा है, कि लेन-देन कितने रुपए का था और वह ब्याज कितना दे चुका था। आरोपियों को पक ?ने के लिए टीम बन दी गई हैं। गली में गाड़ियां आते ही सहम जाता था ऋषभ छह माह पहले तक ऋषभ सुजुकी कंपनी की डीलरशिप से जुड़ा था। लेकिन कर्ज के साथ सूदखोरों के बढ़ते दबाव के कारण उसने भवन निर्माण के क्षेत्र में कदम रखा था। लेकिन ब्याज का तकादा करने वाले उसे किसी कीमत पर पनपने नहीं देना चाहते थे।

कोलार में आधा घंटे में कुंदा उखाड़कर एक लाख की चोरी

भोपाल। कोलार इलाके में गुरुवार को दिनदहाड़े बदमाश एमआर के घर का कुंदा उखाड़कर एक लाख रुपए के जेवरात समेट ले गए। चोरों में आधा घंटे के अंदर वारदात को अंजाम दिया। कोलार पुलिस के मुताबिक सर्वधर्म बी-सेक्टर में रहने वाले 27 वर्षीय राकेश सोनी मेडिकल रिपरेंजेटिव(एमआर) हैं। वह सुबह अपने काम पर निकल गए थे। दोपहर एक बजे घर का काम निपटाकर उनकी पत्नी बच्चे को लेकर पड़ोसन के घर चली गई। महज आधा घंटे बाद वह वापस लौटी,तो देखा कि घर के दरवाजे का कुंदा उखड़ा हुआ।

अब भोपाल कैपिटल रीजनल प्लान अटका

भोपाल। भोपाल मास्टर प्लान के बाद अब राजधानी प्रादेशिक योजना-2031 भी अटकती नजर आ रही है। चार महीने पहले जिला योजना समिति की बैठक में इस पर फैसला नहीं हो पाया। अगली बैठक में मसौदा रखा जाना था। यह कब होगी, फिलहाल स्पष्ट नहीं है। जबकि नियम कहता है, तीन महीने में कम से कम एक बार अहम फैसले लेने के लिए बैठक होना चाहिए।

नगर तथा ग्राम निवेष संचालनालय (टीएंडसीपी) ने योजना में भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, शाजापुर और आगर मालवा जिलों के विकास का खाका खींचा है। इस पर जिला योजना समिति की मुहर लगना जरूरी है। इसके मद्देनजर संचालनालय ने मसौदा अगस्त में समिति को भेजा। समिति की 18 अगस्त को हुई बैठक में इसे रखा गया। सदस्यों ने इस पर आपत्ति जताई कि यह पड़ने में नहीं आ रहा है। इसके बाद अगली बैठक के लिए मसौदा टाल दिया गया। एनसीआर की तर्ज पर सुझाया विकास राष्ट्रीय राजधानी परिक्षेत्र (एनसीआर) की तर्ज पर भोपाल में शहरीकरण और आबादी पर रोक लगाने के लिए आसपास के शहरों सीहोर, रायसेन, मंडीदीप और ओबेदुल्लागंज का विकास किया जाएगा।

पहल | **लायसेंस 500 लोगों के पास**

हकीकत में 5000 से ज्यादा इस धंधे में

भोपाल। छोटी सी रकम पर मोटा ब्याज वसूलने का धंधा राजधानी में कई साल से चल रहा है। शहर में केवल 500 लोग ही साहूकारी लायसेंस लेकर यह काम कर रहे हैं। इस धंधे से जुड़े लोगों की मानें तो इनके अलावा, 5000 से ज्यादा व्यक्ति ब्याज पर पैसा चला रहे हैं। इनके कर्जदारों में आम आदमी से लेकर बड़े कारोबारी तक शामिल हैं। नगर निगम साहूकारी लायसेंस जारी करने के साथ उनका रजिस्ट्रेशन करता है। यह दो साल के लिए वैध होता है। इसके बाद रिन्यू कराना होता है। बताया जाता है कि ज्यादातर लायसेंस कई साल पहले जारी किए गए हैं। ब्याज पर पैसा देने वालों में पुराने शहर के चौक, सराफा समेत अन्य बाजारों के कारोबारी शामिल हैं।

नहीं मिली शिकायत : अफसरों की मानें तो साहूकारों से परेशान किसी व्यक्ति ने जिला प्रशासन और नगर निगम में इस संबंध में शिकायत नहीं की है। एडीएम बीएस जामोद के मुताबिक मेरी जानकारी में अब तक ऐसा कोई मामला नहीं आया है। निगम प्रशासन भी इससे इंकार कर रहा है।

कर्ज के पैसे से चलता है रियल एस्टेट : एक तरफ जहां रियल एस्टेट सेक्टर में मंदी का आलम है, वहीं कर्ज लेकर इस सेक्टर में उतरे बिल्डर्स एवं डेवलपर्स की हालत भी ठीक नहीं है। कर्ज के पैसे से रियल एस्टेट में उतरे इन बिल्डर्स और डेवलपर्स भी आए दिन दबाव में आते हैं। इस मामले में क्रेडाई अध्यक्ष वासिक हुसैन से बात करने पर उन्होंने कहा कि हर आदमी अपने स्तर पर कर्ज लेता है। सभी को मार्केट की स्थिति के हिसाब से काम करना चाहिए। मार्केट में मंदी का वातावरण है जिससे वे प्रेशर में आते हैं। श्री हुसैन ने कहा कि क्रेडाई के सदस्य बिल्डर्स व डेवलपर्स यदि उनसे मदद चाहते हैं तो वे पैसे लेने वाले और देने वाले के बीच समझौता कराने का प्रयास करते हैं जिससे किसी का भी नुकसान न हो। क्रेडाई न्याय कराने में मदद करता है।

मुख्यमंत्री की घोषणा के चार साल बाद भी नहीं बना सख्त कानून : सरकार ने आम लोगों को सूदखोरों के शोषण से बचाने के लिए चार साल पहले 21 जून 2011 को राजस्व विभाग साहूकार अधिनियम 1934 में संशोधन का प्रस्ताव कैबिनेट में पारित किया, लेकिन इसे कानून का रूप देने के लिए राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा जा सका है। पिछले चार साल से ये प्रस्ताव राजस्व विभाग में दबा प ?ा है। इसकी वजह पर कोई स्पष्ट कारण बताने को तैयार नहीं है।

मुख्यमंत्री की घोषणा पर बना था प्रस्ताव : चार साल पहले प्रदेश में हुई भारी प्राकृतिक आपदा में किसानों द्वारा आत्महत्या करने की घटना सामने आने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 15 जनवरी 2011 को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में घोषणा की थी कि अब प्रदेश में किसानों और आदिवासियों को कर्ज देने के नाम पर गैर लायसेंसी साहूकारों को खून नहीं चुसने दिया जाएगा उनके द्वारा दिया गया कर्ज शून्य घोषित हो जाएगा। इसके लिए हम जल्द ही मप्र साहूकार अधिनियम में इन प्रावधानों को डालेंगे। म

यह है प्रस्तावित कानून

प्रस्तावित प्रावधान के अनुसार गैर लायसेंसी साहूकार ऋण देता है तो ऐसे सभी ऋण शून्यवत समझे जाएंगे और इनकी वसूली किसी भी न्यायालय के माध्यम से नहीं की जा सकेगी। कैबिनेट ने यह भी तय किया है कि लायसेंसी साहूकार द्वारा दिये गये ऋणों पर दिये जाने वाले ब्याज की दर भी निश्चित हों। संशोधित अधिनियम लागू होने पर कोई भी साहूकार राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित की गई दर से अधिक ब्याज नहीं लेगा। इस अधिनियम में संशोधन के बाद राज्य सरकार समय-समय पर ऐसी दरें अधिसूचित करेगी और साहूकार किसी भी ऋणी से ऐसी दर से अधिक ब्याज नहीं ले पायेंगे।

सम्पादकीय

देश मे असुरक्षित बेटियां व सरकार का नारा स्मार्ट सिटी

हमारे मध्यप्रदेश मे शिवराज जी ने लाड़ली लक्ष्मी व बेटी बचाओ योजना की शुरुवात की जिसको पूरे देश मे सराहा गया पर मे आप सब से ये पूछना चाहूंगा क्या हमारा उद्देश्य सिर्फ बेटियो को बचाना व उन्हे पढ़ाना है या उनके प्रति समाज मे एक सही जगह बनाना है या लड़कियों को ले कर समाज मे जो उदासीनता हे उसको दूर करना है? क्या हमे स्मार्ट सिटी की जरुरत है! या स्मार्ट नागरिको?

देश में बच्चियों के साथ सामूहिक बलात्कार की घटनाएं बताती हैं कि निर्भया गैंगरेप जैसी हिला देने वाली त्रासदी भी न समाज को बदल पाई है, न ही सत्ता बदलने से प्रशासन-व्यवस्था में कोई सुखद बदलाव आया है।

हमारे देश मे मां दुर्गा की आराधना करने के साथ कन्याओं का भी पूजन करते हैं। लेकिन जिस तरह से बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएँ हो रही है, वह हमारी आस्थाओं की धज्जियां उड़ाता है। जिस समाज मे छोटी बच्चियों को पूजा जाता है, उसी समाज में फूल-से बचपन को रौंदने वाले दरिंदे भी रहते हैं, इससे बड़ी विडंबना भला और क्या हो सकती है!

दूसरी तरफ केंद्र सरकार को भी ऐसे मामलों में चिंतित होना चाहिए, तो केवल इसलिए नहीं कि दिल्ली की पुलिस व्यवस्था उसके पास है, बल्कि इसलिए भी कि उसने स्मार्ट सिटी की जो पहल की है, उसमें दिल्ली भी है। स्मार्ट शहर सिर्फ गगनचुंबी इमारतों और चमचमाती सड़कों से नहीं बनते, बल्कि चुस्त प्रशासन-व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और लोगों की सोच से भी बनते हैं। जब देश की राजधानी में बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं, तो दिल्ली से दूर देश के दुर्गम और दूरस्थ इलाकों में उनकी असुरक्षा की सहज ही कल्पना की जा सकती है।

ये घटनाएं प्रशासन-व्यवस्था की नाकामी के सुबूत हैं। पिछले ही दिनों पश्चिमी दिल्ली के केशवपुरम में चार साल की एक बच्ची के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ था। अब फिर पश्चिमी दिल्ली के निहाल विहार में ढाई साल की और आनंद विहार में पांच साल की बच्चियों को शिकार बनाया गया। दुर्भाग्य से ये दोनों बच्चियां समाज के कमजोर वर्ग से हैं, लेकिन इसी दिल्ली में पढ़ी-लिखी और कामकाजी महिलाओं को भी दरिंदों का शिकार बनते देखा गया है।

सरकार कोई भी हो विपक्ष जम कर विरोध करता है पर हकीकत ये है की सभी अब तक विफल ही रहे।

निर्भया कांड के समय दिल्ली की शीला दीक्षित सरकार को कोसने वालों में ''आम आदमी पार्टी'' और ''भाजपा'' मुखर थीं। लेकिन दिल्ली की सत्ता में आने के बाद आम आदमी पार्टी भी ऐसी घटनाओं को रोक नहीं पाई है, और ऐसी हर घटना पर वह जिस तरह केंद्र की भाजपा सरकार और लेफ्टिनेंट गवर्नर को कोसती है, उससे देश सिर्फ निराश ही होता है।

इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या आम नागरिक ऐसी असुरक्षित स्मार्ट सिटी मे रहना चाहेगा?

- पराग वराडपांडे

मध्यप्रदेश में उद्योगों की माँग अनुसार तकनीकी शिक्षा देने की पहल

प्रदेश में बढ़ते उद्योगों की तकनीकी विशेषज्ञों और कुशल तकनीकी सहायकों की जरूरत को पूरा करने और युवाओं को रोजगार दिलवाने के उद्देश्य से उद्योगों की माँग अनुसार तकनीकी शिक्षा दिलवाने के लिये पाठ्यक्रमों में परिवर्तन किया जा रहा है। अनुपयोगी ट्रेड को बंद कर नये प्रारंभ किये जा रहे हैं। अनुपयोगी ट्रेड्स का आकलन संभागीय आयुक्त स्तर पर किया जा रहा है। सत्र 2014 में 33 शासकीय आई.टी.आई. में 66 नवीन पाठ्यक्रम प्रारंभ किये गये। इससे 1752 सीट की वृद्धि हुई। इसके साथ ही 130 नवीन आई.टी.आई. प्रारंभ हुईं, जिनसे 15 हजार 760 सीट की वृद्धि हुई। वर्तमान में 191 शासकीय आई.टी.आई., 385 प्रायवेट आई.टी.आई. तथा 135 कौशल विकास केन्द्र हैं। अगस्त, 2015 में 26 नवीन आई.टी.आई. प्रारंभ की जा रही है। इनमें अधिकांश आई.टी.आई. आदिवासी बहुल विकासखण्ड में हैं। नाबार्ड के सहयोग से 70 आई.टी.आई. के भवन का निर्माण जारी है। विभिन्न स्थान पर कौशल विकास केन्द्र स्थापित किये गये हैं। यहाँ पर विभिन्न उपयोगी माड्यूल पर 37 हजार से अधिक युवा को प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रदेश में 504 शासकीय और 1588 प्रायवेट बीपीटी भी संचालित हैं। पिछले चार साल में कौशल विकास केन्द्रों में प्रशिक्षित 12 हजार 634 युवा को रोजगार मिल चुका है।

आई.टी.आई. में स्टॉफ की कमी को पूरा करने के लिये 401 प्रशिक्षण अधिकारी और 50 गैर-तकनीकी स्टॉफ के पद भरने की प्रक्रिया जारी है। भोपाल में इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर प्रारंभ किया गया है। इसमें इलेक्ट्रीशियन, फिटर तथा वेल्डर ट्रेड में अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जायेगा। महिलाओं के लिये एक नेशनल वोकेशनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट कार्यशील है जिसमें महिला प्रशिक्षण अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। इस वर्ष आई.टी.आई. के चार छात्र को पहली बार विदेश में नौकरी करने का अवसर मिला है।

फ्लेक्सी एमओयू

उद्योगों में तकनीकी जनशक्ति की पूर्ति के लिये विशेषज्ञों के सहयोग से पाठ्यक्रम निर्धारित कर प्रशिक्षण के लिये फ्लेक्सी एमओयू किये जा रहे हैं। इससे आई.टी.आई. के प्रशिक्षणार्थियों को उद्योगों में ऑन जॉब प्रशिक्षण मिलेगा। अर्न व्हाइल यू लर्न स्कीम के लिये प्रोडक्शन सेंटर बनेंगे। आई.टी.आई. के सभी ट्रेड में एम्प्लायबिलिटी स्किल प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल किया गया है।

संभाग-स्तरीय 10 आई.टी.आई. को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में उन्नयन किया जा रहा है। भोपाल में मॉडल आई.टी.आई. के लिये 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं।

आई.टी.आई. की परीक्षाओं में भी व्यापक सुधार किये गये हैं। देश में पहली बार मध्यप्रदेश में आई.टी.आई. की परीक्षा ऑनलाइन करवायी गयी। प्रदेश के इस सफल प्रयोग को इस साल पूरे देश में लागू करने का फैसला लिया गया है। परीक्षा केन्द्रों में सी.सी.टी.व्ही. कैमरे से सतत निगरानी की जाती है। प्रायोगिक परीक्षाओं की रिकार्डिंग करवाने के साथ ही संस्था के बाहर के शिक्षक परीक्षा लेते हैं।

परम्परागत हुनरमंद को मिलेंगे प्रमाण-पत्र

कारीगर समृद्धि योजना में परम्परागत व्यवसायों में हुनरमंद निर्माण श्रमिकों के कौशल प्रमाणीकरण के लिये मध्यप्रदेश व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एम.पी.सी.वेट.) ने स्टार प्रोजेक्ट, भास्कर फाउण्डेशन, आई.एल. एण्ड एफ.एस. तथा मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के साथ एम.ओ.यू. किया है।

योजना में पहले एम.पी.सी.वेट. और मण्डल मिलकर श्रमिकों का रजिस्ट्रेशन करेंगे।

SAAP SOLUTIONS
Explore New Digital World

* All Types of Website Designing (Static Website, Dynamic Website, Ecommerce Site, Responsive/Adaptive Design, Customer focused design)
* Logo Designing by Experts
* Bulk SMS Services

For more details Visit our website saapsolution.com
For Enquires contact on 9425313619, Email-info@saapsolution.com

आप में होंगे ये 5 गुण, तो बढ़ जाएगी जॉब पाने की संभावना

किसी भी कर्मचारी को हायर करने के लिए एक एम्प्लॉयर उसमें कई तरह के गुण तलाशता है। जानें कौन-से हैं वे पांच गुण, जो आप खुद में विकसित करके अपनी एम्प्लॉयबिलिटी बढ़ा सकते हैं...।

क्या आप दि बेस्ट हैं? आपकी क्वॉलिफिकेशन उस पद के अनुकूल होनी चाहिए, जिसके लिए आपने आवेदन किया है। इंटरव्यूअर के पूछे गए इस प्रश्न के उत्तर को आप अपने अचीवमेंट्स और गोल्स के साथ सपोर्ट कर सकते हैं। इस बात का ध्यान हमेशा रखें कि आपके अलावा भी यहां और उम्मीदवार हैं, जो आपके प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। क्या आप भविष्य के लीडर हैं?

हर कंपनी किसी ऐसे उम्मीदवार को नियुक्त करना चाहती है, जिसका फ्यूचर विजन क्लीयर हो। कंपनी हमेशा किसी ऐसे उम्मीदवार को नियुक्त करना चाहेगी जो अपने विजन को पूरी प्लानिंग के साथ कंप्लीट कर सके।

आप खुद को कितनी अच्छी तरह से जानते हैं? यह प्रश्न हर इंटरव्यू में पूछा ही जाता है। इस प्रश्न से इंटरव्यूअर यह जानना चाहता है कि उम्मीदवार कितने व्यवस्थित और संक्षिप्त तरीके से खुद का वर्णन करते हैं। इस जवाब में अपने व्यक्तित्व के हर पहलू को कवर करें।

टीमवर्क : किसी भी उम्मीदवार को नियुक्त करने से पहले एम्प्लॉयर यह जरूर देखता है कि क्या वह उम्मीदवार टीम के साथ कुशलतापूर्वक को-ऑर्डिनेट करके काम कर पाएगा या नहीं। श्रेष्ठ एम्प्लॉई वही होता है, जो अपनी टीम को साथ में लेकर प्रोजेक्ट को पूरा करे।

रिपोर्टिंग मैनेजर से संबंध : अपने मैनेजर को रिपोर्ट करने का मतलब यह नहीं कि आप उनकी हर बात में हां में हां मिलाएं लेकिन इसमें यह चेक किया जाता है कि आप किस तरह से अपने विचार, सुझाव और इनपुट्स उनके सामने रखते हैं। आदर्श उम्मीदवार वही है, जिसे पता होता है कि कौन और क्या सही है।

इंटर्नशिप से आंकी जाती है आपकी एम्प्लॉयबिलिटी

इंटर्नशिप को करियर की पहली सीढ़ी भी कहा जाता है। आजकल स्टार्ट-अप्स में इंटर्न को काम के साथ-साथ ग्रो करने के अच्छे अवसर मिल रहे हैं। बशर्ते, उम्मीदवार सीखने और खुद को साबित करने का जज्बा रखने वाला हो। इसी तरह, स्टार्ट-अप्स भी नए विचारों वाले उम्मीदवारों को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं, ताकि वे अपने विजन और आइडिया को नई दिशा दे सकें। ऐसी जगहों पर इंटर्न्स को तरह-तरह की स्किल वाले लोगों से सीखने को मिलता है। यही ऑर्गनाइजेशनल ग्रोथ की सीढ़ी बनती है। अक्सर, ऑर्गनाइजेशंस इंटर्न्स की मेहनत और लगन को देखकर उन्हें अपने यहां जॉब पर रख भी लेती हैं। जाहिर है, अच्छी स्किल और गुण, किसी भी एम्प्लॉयर को प्रभावित करने के लिए जरूरी है।

वर्क प्रेशर: झेलने की क्षमता आजकल डेडलाइन का प्रेशर कमोबेश हर कंपनी में है। इसलिए इंटर्न के लिए जरूरी है कि वह दबाव में काम करने का गुण स्वयं में विकसित करे। इस गुण के बूते ही आप तनावपूर्ण स्थितियों से निपट सकेंगे।

बनें आत्मनिर्भर : इंटर्न्स को यह बात समझ लेनी चाहिए कि आजकल कंपनीज ऐसे प्रोफेशनल्स चाहती हैं, जो वर्कप्लेस पर पहले ही दिन से काम में योगदान देना शुरू कर दें। इसलिए जरूरी है कि आप इंटर्नशिप के दौरान आत्मनिर्भर और जिम्मेदार होने की कोशिश करें।

कम्युनिकेशन स्किल : किसी भी इंटर्न के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल जरूरी है। लिखने में कुशल होने के साथ-साथ संवाद में भी कुशल होना होगा।

इंडियन एयरफोर्स में बनाएं करियर

अगर आपका भी ड्रीम अपनी कंट्री की डिफेंस सर्विसेस को सर्व करने का है तो आप इंडियन एयर फोर्स के एएफकैट- 2016 एग्जाम में अपीयर हो सकते हैं। इस एग्जाम को क्वॉलिफाई करने वाले कैंडिडेट्स को फ्लाइंग ब्रांच में शॉर्ट सर्विस कमिशन और टेक्निकल और ग्राउंड डयूटी ब्रांच में शॉर्ट या परमानेंट सर्विस कमिशन ग्रांट किया जाता है। इस नोटिफिकेशन से रिलेटेड डीटेल्स आप यहां जान सकते हैं। **फ्लाइंग ब्रांच :** आयु : 20-24 साल : शैक्षणिक योग्यता : कैंडिडेट्स किसी भी डिसिप्लिन में 60 परसेंट मार्क्स से ग्रेजुएट हों और उन्होंने 12वीं मैथमैटिक्स और फिजिक्स सब्जेक्ट से पास की हो। या फिर कैंडिडेट्स ने 60 परसेंट मार्क्स से बीई या बीटेक किया हो।

टेक्निकल ब्रांच : आयु: 20-26 साल: शैक्षणिक योग्यता: कैंडिडेट्स ने किसी भी रिकग्नाइज्ड यूनिवर्सिटी से मिनिमम चार साल की डिग्री ली हो। या फिर कैंडिडेट ने असोसिएट मेंबरशिप ऑफ इंस्टीटयूशन ऑफ इंजीनियर्स या एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया का ए और बी एग्जाम क्लीयर किया हो।

ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच : आयु: 20-26 साल: शैक्षणिक योग्यता: कैंडिडेट्स 60 परसेंट मार्क्स से ग्रेजुएट हों। इस ब्रांच में अकाउंट्स, एजुकेशन और एडमिनिस्ट्रेशन एंड लॉजिस्टिक डिपार्टमेंट आते हैं।

चयन प्रक्रिया: कैंडिडेट्स का सिलेक्शन एयर फोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट, एसएसबी और मेडिकल टेस्ट के बेसिस पर किया जाएगा।

ग्रीन लाइफस्टाइल के प्लानर

हमारी खराब लाइफस्टाइल ने हमारी हेल्थ के साथ-साथ अगर किसी दूसरी चीज को सबसे ज्यादा डैमेज किया है, तो वह है एनवायरमेंट। आज तकरीबन हर शहर में पॉल्यूशन लेवल इतने खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है कि सरकारों को इसे कम करने के लिए उपाय खोजने पढ़ रहे हैं और क्लाइमेट चेंज को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन हो रहे हैं। ऐसे में एनवायरमेंटल साइंस या एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग ऐसे युवाओं के लिए बेहतरीन कॅरियर ऑपशन है, जो न सिर्फ एनवायरमेंट को प्रोटेक्ट करना चाहते हैं, बल्कि एक सुकूनभरी ग्रीन लाइफस्टाइल जीना चाहते हैं।

क्या है एनवायरमेंटल साइंस?

एनवायरमेंटल साइंस दरअसल, एक ऐसा इंटरडिसिप्लिनरी सब्जेक्ट है, जो फिजिकल और बायोलॉजिकल साइंस को जोड़ता है। इसमें इकोलॉजी, फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और अर्थ साइंस शामिल है। इसके लिए एलिजिबिलिटी क्या है? अगर आपने साइंस सब्जेक्ट के साथ इंटर पास किया है और इंजीनियरिंग व मेडिकल जैसी रेग्युलर फील्ड्स से कुछ अलग हटकर करना चाहते हैं, तो एनवायरमेंटल साइंस आपके लिए बेस्ट ऑप्शन है। यह सब्जेक्ट ग्रेजुएशन लेवल से पढ़ाया जाता है। अगर आपने पीसीबी जैसे सब्जेक्ट्स से इंटर पास किया है, तो आप इससे बीएससी या एमएससी कर सकते हैं। वहीं मैथ्स से इंटर पास करने वाले स्टूडेंट्स इसमें इंजीनियरिंग कोर्सेज जैसे- बीई, बीटेक, एमई और एमटेक कर सकते हैं।

PRACHI MATHS & SCIENCE TUTORIALS
(Exclusive Tutorial for CBSE / ICSE) (VII-VIII- IX-X)
MATHS BY PRACHI HUNDAL MADAM
(Teaching Exp. 24 Years)
SCIENCE BY SENIOR FACULTIES
(Seperate Batch for CBSE & ICSE) USP ARE
★ For Personal attention
Small Batch Size (15 to 20 Students)
★ Homely Atmosphere
Excellent Previous Result
REGISTRATION OPEN
FOR 2016 SESSION Register today
& April early bird discount
Cont.- Mob.-9406542737, 9424312779
9B, SAKET NAGAR NEAR SPS. BEHIND BSNL OFFICE

क्या आप हैं रुपए-पैसे के महारथी?

ग्रेजुएशन या पोस्टग्रेजुएशन से पहले अक्सर विद्यार्थियों में कंफ्यूजन होता है कि वे अपनी रुचि से मैच करता हुआ कौन-सा कोर्स चुनें। जिन उम्मीदवारों की रुचि बैंकिंग या इन्वेस्टमेंट के क्षेत्र में होती है, वे इन्वेस्टमेंट बैंकर के रूप में करियर बनाने पर विचार कर सकते हैं। अगर आप उम्दा वर्किंग इन्वायर्नमेंट, आकर्षक सैलेरी पैकेज और बेहतर करियर अवसरों की तलाश में हैं, तो इन्वेस्टमेंट बैंकिंग का करियर आपके लिए आदर्श हो सकता है। जानते हैं इस बूमिंग करियर के बारे में...। कौन होते हैं इन्वेस्टमेंट बैंकर? इन्वेस्टमेंट बैंकर जिस संस्थान या कंपनी के लिए काम करता है, उसे वहां के वित्तीय पहलुओं से जुड़ी ड्यूटीज को हैंडल करना होता है। इन्वेस्टमेंट बैंकर किसी कंपनी की कैपिटल, फंड्स, लोन, स्टॉक्स के साथ डील करते हैं।

आवश्यकता है

राष्ट्रीय स्तर की कम्पनी को अपने चौकलेट उत्पादों की मध्यप्रदेश में सेल्स नेटवर्क के विस्तार हेतु अनुभवी प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

योग्यता 4 - 5 वर्ष का FMCG सेल्स का अनुभव अनिवार्य
उग्र 30 - 35 वर्ष
वेतन योग्यता अनुसार

Intrested Candidates can mail Resumes on
Email : bhopal2@yahoo.com

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है हरी मेथी

आपने अपने घर में बड़े-बुजुर्गों को ये कहते सुना होगा कि सर्दियों का मौसम सेहत बनाने का मौसम होता है. इस समय बाजार में खाने-पीने के तमाम विकल्प मौजूद होते हैं।

इस समय बाजार में न तो फलों की कमी होती है और न ही सब्जियों की। आपके पास तमाम तरह के विकल्प होते हैं और सबसे अच्छी बात ये होती है कि इसके लिए बहुत अधिक पैसे भी नहीं खर्च करने पड़ते हैं। इस समय बाजार में हरी सब्जियों की बहार होती है और उन्हीं में से एक है हरी मेथी।

हरी मेथी गुणों की खान है। आप इसे न केवल सब्जी के रूप में बल्कि पराठे के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। कई लोग इसे सिर्फ उबालकर खाना पसंद करते हैं।

हरी मेथी खाने के फायदे: 1. अगर आपको कब्ज या पाचन से जुड़ी कोई भी समस्या है तो हरी मेथी आपके लिए बेहद फायदेमंद है। हरी मेथी के सेवन से पाचन क्रिया पर सकारात्मक असर पड़ता है और कब्ज, गैस जैसी समस्याएं दूर हो जाती हैं।

2. सर्दियों में मेथी का सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द की समस्या में फायदा होता है।

3. मेथी की पत्तियों को पीसकर बालों में लगाने से बाल काले, घने और चमकदार बनते हैं।

4. अगर आपके बच्चे के पेट में कीड़े हो गए हैं तो भी हरी मेथी का इस्तेमाल करना बहुत फायदेमंद होता है। कुछ दिनों तक बच्चों को मेथी की पत्तियों का रस पिलाने से कीड़े मर जाते हैं।

5. मधुमेह के मरीजों को मेथी का सेवन करने की सलाह दी जाती है। इसका रस पीना भी मधुमेह की बीमारी में बहुत फायदेमंद होता है।

6. मेथी का इस्तेमाल ब्यूटी प्रोडक्ट के तौर पर भी किया जाता है। ये ढीली पड़ती त्वचा में कसाव लाने का काम करता है साथ ही इसके इस्तेमाल से चेहरे पर ग्लो आता है।

7. हर रोज मेथी की सब्जी खाने से दिल से जुड़ी कई बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है।

जोड़ों के दर्द की शिकायत है तो आज ही अपनाएं ये उपाय

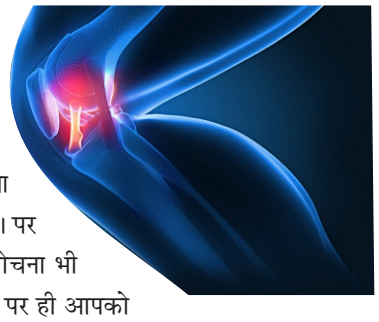

आज के समय में ज्यादातर लोग ऐसे हैं जिन्हें जोड़ों के दर्द की शिकायत है। ये कोई ऐसी तकलीफ नहीं है जो किसी समय विशेष पर हो लेकिन हां सर्दियों में ठंड बढ़ने पर ये तकलीफ कुछ बढ़ जरूर जाती है।

ऐसे में ये आवश्यक हो जाता है कि हम उन उपायों पर ध्यान देना शुरू कर दें जिससे इस तकलीफ को बढ़ने से रोका जा सके। पर कोई भी उपाय एक दिन में अपना असर दिखा देगा ऐसा सोचना भी गलत है। इन उपायों को कुछ समय तक लगातार करते रहने पर ही आपको परिणाम दिखाई देंगे। इसके साथ ही ये बेहद जरूरी है कि आप नियमित रूप से व्यायाम करते रहें और सक्रिय बने रहें।

ठंड के मौसम में खानपान का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। इस मौसम में अचानक से लोग वसायुक्त और चिकनी चीजें खाना शुरू कर देते हैं, जोकि पूरी तरह गलत है। ठंड के मौसम में खाने-पीने के विकल्पों की कमी नहीं होती है। गुड़ और तिल से बनी चीजों के सेवन आप शरीर को गर्म तो रख ही सकते हैं लेकिन इस बात का ध्यान जरूर रखें कि बहुत अधिक मीठा खाना आपके लिए नुकसानदेह भी हो सकता है। ऐसे में जो भी खाएं संयमित होकर खाएं।

सर्दियों में फलों और सब्जियों के ढ़ेरों विकल्प होते हैं। अपनी डाइट में पपीता, गाजर, टमाटर, पालक और दूसरे मौसमी फलों-सब्जियों को शामिल करें। इसके अलावा अदरक, लहसुन, काली मिर्च, दालचीनी के इस्तेमाल से शरीर को नेचुरल तरीके से गर्म रखा जा सकता है।

हरी पत्ती वाली सब्जियों के सेवन से भी बहुत फायदा होता है। ठंडी चीजों के सेवन से परहेज करें। ठंड के मौसम में आयुर्वेदिक तेल की मालिश करना भी फायदेमंद रहता है। गर्मियों में तो धूप में बैठ पाना संभव ही नहीं होता है लेकिन ठंड के मौसम में आप पर्याप्त धूप ले सकते हैं। इन उपायों को करने से जोड़ों के दर्द में काफी राहत मिलेगी।

अगर सर्दियां आते ही आपके होंठ भी फटने लगते हैं तो ये है बेमिसाल उपाय

सर्दियां आते ही ज्यादातर लोगों की त्वचा रूखी होने लग जाती है। त्वचा की नमी कहीं खो सी जाती है और त्वचा रूखी-बेजान नजर आने लगती है। त्वचा के साथ ही हमारे होंठ भी फटने शुरू हो जाते हैं। कई बार ये समस्या इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि होंठों से खून भी आना शुरू हो जाता है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि हम अपनी त्वचा को लेकर फिक्रमंद रहें ताकि वो हमेशा खूबसूरत और जवां बनी रहे।

सर्दियों में त्वचा को ज्यादा से ज्यादा नमी की जरूरत होती है। ऐसे में आप चाहें तो ग्लिसरीन का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह एक नेचुरल लिप बाम भी है।

कैसे करें ग्लिसरीन का इस्तेमाल: आप चाहें तो ग्लिसरीन को बाम की तरह लगा सकते हैं। इसके अलावा इसे दूध, शहद या गुलाब जल के साथ मिलाकर भी लगाया जाता है।

ग्लिसरीन लगाने के फायद: 1. सर्दियों में शुष्क हवाओं के कारण होठ सूख जाते हैं और फटने लग जाते हैं। होठों पर ग्लिसरीन के इस्तेमाल से होंठ मुलायम बनते हैं जिससे फटने की समस्या भी नहीं होने पाती है।

2. अगर आपके होंठों पर दाग-धब्बे हैं और ये काले पड़ चुके हैं तो भी ग्लिसरीन का इस्तेमाल करना फायदेमंद रहता है।

फायदेमंद है नारियल का दूध

नारियल के दूध को मां के दूध जितना फायदेमंद होता है। मां के दूध को सर्वाधिक पोषक माना गया है लेकिन इसके बाद नारियल के दूध को दुनिया के सर्वाधिक फायदेमंद पेय के रूप में स्वीकार किया गया है। इसी क्रम में नारियल विकास बोर्ड (सीडीबी) ने नारियल के दूध के महत्व के बारे में लोगों को जागरुक करने की तैयारी कर ली है। नारियल के दूध का इस्तेमाल खाना पकाने में भी किया जाता है। सीडीबी के अध्यक्ष टी.के. जोस के अनुसार, एक प्रसिद्ध अमेरिकी पोषण विशेषज्ञ जोश एक्स ने अपने शोध में पाया कि पशुओं के दूध में लैक्टोज पाया जाता है, जो एक प्रकार की शुगर है।

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण से प्रभावित हो रहा है नवजात बच्चों का वजन

हवा में मौजूद कई तरह के विषाक्त पदार्थों से जहां लगभग हर वर्ग की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर असर पड़ रहा है वहीं हाल में हुआ एक अध्ययन एक और नई चेतावनी लेकर आया है। इसमें बताया गया है कि दिल्ली की प्रदूषित हवा का असर यहां की गर्भवती मांओं के गर्भ में पल रहे बच्चों पर भी पड़ रहा है।

दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। कई एजेंसियों ने मिलकर हाल ही में एक अध्ययन किया जिससे यह साबित हुआ है कि प्रदूषित हवा का असर गर्भ में पल रहे बच्चे के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। इससे भ्रुण का विकास बाधित होता है। सर गंगाराम अस्पताल, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, इंडियन मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट और लंदन के स्कूल ऑफ हाइजीन ने संयुक्त रूप से गर्भ में पल रहे बच्चे के विकास पर प्रदूषण के प्रभाव का अध्ययन किया है।

दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में जन्मे 10,565 बच्चों के जन्म को रीयल टाइम एयर क्वालिटी के साथ जोड़कर उनका परीक्षण किया गया। इस परीक्षण में उन्हीं गर्भवती महिलाओं को शामिल किया गया जो डिलीवरी के समय दिल्ली में थीं। मॉनिटरिंग स्टेशन से उनके रहने तक की दूरी का भी रिकॉर्ड बनाया गया। उसके बाद प्रसव और उस जगह के 10 किलोमीटर रेंज के प्रदूषण स्तर का भी आंकलन किया गया।

सर गंगा राम के इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ की डॉक्टर नीलम क्लेयर का कहना है कि यह अध्ययन बच्चे पर प्रदूषण के प्रभाव को जानने के लिए किया गया था। डॉक्टर नीलम के अनुसार, कई अध्ययनों में पाया गया है कि प्रदूषित हवा के चलते नवजात बच्चे के वजन पर असर पड़ता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और कुछ दूसरी संस्थाओं द्वारा कराए गए विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि भारत, पाकिस्तान और चीन के कुछ शहरों में प्रदूषण का स्तर इतना अधिक है कि वह खतरा बन चुका है और इसकी स्थिति समय के साथ और खतरनाक होती जा रही है।

आपको जानकर शायद आश्चर्य हो लेकिन यह सच है कि भारत में होने वाली मौतों की एक बहुत बड़ी वजह प्रदूषित हवा है। इससे विभिन्न प्रकार की सांस से जुड़ी समस्याएं हो जाती है। सांस की तकलीफ के चलते पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा मौतें भारत में ही होती हैं। प्रदूषित हवा का असर मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। इसके अलावा प्रदूषित हवा में सांस लेने से हाई ब्लड प्रेशर होने की भी समस्या हो जाती है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि हवा में मौजूद खतरनाक रसायनिक तत्व जैसे कार्बन मोनो-ऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइ ऑक्साइड के चलते गर्भ में पल रहे बच्चे के विकास पर असर पड़ता है और कई बार तो प्रीमैच्योर बेबी के होने की आशंका बढ़ जाती है।

हस्त रेखा ज्योतिष ये बातें जो जीवन रेखा देखकर मालूम हो सकती हैं

हथेली में सामान्यत: तीन रेखाएं मुख्य रूप से दिखाई देती हैं। ये तीन रेखाएं जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा और हृदय रेखा है। इनमें से जो रेखा अंगूठे के ठीक नीचे शुक्र पर्वत को घेरे रहती है, वही जीवन रेखा कहलाती है। यह रेखा इंडेक्स फिंगर के नीचे स्थित गुरु पर्वत के आसपास से प्रारंभ होकर हथेली के अंत मणिबंध की ओर जाती है। छोटी जीवन रेखा कम उम्र और लंबी जीवन रेखा लंबी उम्र की ओर इशारा करती है। यदि जीवन रेखा टूटी हुई हो तो यह अशुभ होती है, लेकिन उसके साथ ही कोई अन्य रेखा समानांतर रूप से चल रही हो तो इसका अशुभ प्रभाव नष्ट हो सकता है।

1. हस्तरेखा ज्योतिष में बताया गया है कि लंबी, गहरी, पतली और साफ जीवन रेखा शुभ होती है। जीवन रेखा पर क्रॉस का चिह्न (ष्ह्मश्रह्यह्य ह्यद्बद्दठ्ठ) अशुभ होता है। यदि जीवन रेखा शुभ है तो व्यक्ति की आयु लंबी होती है और उसका स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

2. यदि मस्तिष्क रेखा (मस्तिष्क रेखा और जीवन रेखा लगभग एक ही स्थान से प्रारंभ होती है) और जीवन रेखा के मध्य थोड़ा अंतर हो तो व्यक्ति स्वतंत्र विचारों वाला होता है।

3. यदि मस्तिष्क रेखा और जीवन रेखा के मध्य अधिक अंतर हो तो व्यक्ति बिना सोच-विचार के कार्य करने वाला होता है।

4. यदि दोनों हाथों में जीवन रेखा टूटी हुई हो, तो व्यक्ति को असमय मृत्यु समान कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। यदि एक हाथ में जीवन रेखा टूटी हो और दूसरे हाथ में यह रेखा ठीक हो, तो यह किसी गंभीर बीमारी की ओर इशारा करती है।

5. यदि किसी व्यक्ति के हाथ में जीवन रेखा श्रृंखलाकार या अलग-अलग टुकड़ों से जुड़ी हुई या बनी हुई हो तो व्यक्ति निर्बल हो सकता है। ऐसे लोग स्वास्थ्य की दृष्टि से भी परेशानियों का सामना करते हैं। ऐसा विशेषत: तब होता है, जब हाथ बहुत कोमल हो। जब जीवन रेखा के दोष दूर हो जाते हैं तो व्यक्ति का जीवन सामान्य हो जाता है।

6. यदि जीवन रेखा से कोई शाखा गुरु पर्वत क्षेत्र (इंडेक्स फिंगर के नीचे वाले भाग को गुरु पर्वत कहते हैं।) की ओर उठती दिखाई दे या गुरु पर्वत में जा मिले तो इसका अर्थ यह समझना चाहिए कि व्यक्ति को कोई बड़ा पद या व्यापार-व्यवसाय में तरक्की प्राप्त होती है।

7. यदि जीवन रेखा से कोई शाखा शनि पर्वत क्षेत्र (मिडिल फिंगर के नीचे वाले भाग को शनि पर्वत कहते हैं।) की ओर उठकर भाग्य रेखा के साथ-साथ चलती दिखाई दे तो इसका अर्थ यह होता है कि व्यक्ति को धन-संपत्ति का लाभ मिल सकता है। ऐसी रेखा के प्रभाव से व्यक्ति को सुख-सुविधाओं की वस्तुएं भी प्राप्त हो सकती हैं।

8. यदि जीवन रेखा, हृदय रेखा और मस्तिष्क रेखा तीनों प्रारंभ में मिली हुई हो तो व्यक्ति भाग्यहीन, दुर्बल और परेशानियों से घिरा होता है। (हृदय रेखा इंडेक्स फिंगर और मिडिल फिंगर के आसपास से प्रारंभ होकर सबसे छोटी उंगली की ओर जाती है।)

9. यदि जीवन रेखा को कई छोटी-छोटी रेखाएं काटती हुई नीचे की ओर जाती हो तो ये रेखाएं व्यक्ति के जीवन में परेशानियों को दर्शाती हैं। यदि इस तरह की रेखाएं ऊपर की ओर जा रही हों तो व्यक्ति को सफलता प्राप्त होती है।

10. यदि जीवन रेखा गुरु पर्वत से प्रारंभ हुई हो तो व्यक्ति अति महत्वाकांक्षी होता है। ये लोग अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

11. जब टूटी हुई जीवन रेखा शुक्र पर्वत के भीतर की ओर मुड़ती दिखाई देती है तो यह अशुभ लक्षण होता है। ऐसी जीवन रेखा बताती है कि व्यक्ति को किसी बड़े संकट का सामना करना पड़ सकता है।

12. यदि जीवन रेखा अंत में दो भागों में विभाजित हो गई हो तो व्यक्ति की मृत्यु जन्म स्थान से दूर होती है।

13. जीवन रेखा पर वर्ग का चिह्न हो तो यह व्यक्ति के जीवन की रक्षा करता है। आयु के संबंध में जीवन रेखा के साथ ही स्वास्थ्य रेखा, हृदय रेखा, मस्तिष्क रेखा और अन्य छोटी-छोटी रेखाओं पर भी विचार किया जाना चाहिए।

14. यदि दोनों हाथों में जीवन रेखा बहुत छोटी हो तो वह व्यक्ति अल्पायु हो सकता है। जीवन रेखा जहां-जहां श्रृंखलाकार होगी, उस आयु में व्यक्ति किसी बीमारी से ग्रसित हो सकता है।

प्रभु श्रीराम में बसी है सच्चे नायक की छवि

प्रसिद्ध महाकवि वाल्मीकि ने रामायण की रचना के पूर्व नारद मुनि से पूछा, नायक कौन होता है? क्या इस संसार में कोई ऐसा व्यक्ति है, जो सद्गुणी होने के साथ में शक्तिशाली, सत्यवादी, दृढ़प्रतिज्ञ और करुणावान भी होड़ क्या कोई ऐसा व्यक्ति है जो असाधारण चरित्र का धनी, प्रबल उत्साही, सबके कल्याण का इच्छुक, बुद्धिमान, किसी भी संदेह से परे, सक्षम और मनोरम होड़ क्या कोई ऐसा व्यक्ति है जो आत्म-संतुष्ट, क्रोध को वश में करने वाला, ईर्षायारहित और अतिसाहसी होड़ वस्तुत: नारद किसी ऐसे नायक की खोज में थे, जो सभी गुणों से पूर्ण और समस्त दोषों से परे हो।

ज्यों ही नारद मुनि ने यह प्रश्न सुना, त्यों ही वह जान गए कि कौन हैं वह, जिनके स्मरण मात्र से हृदय में अत्यंत आभार और समर्पण का भाव उमड़ आया। नारद अपने अंत:करण में झांकने लगे और खुद को इस प्रश्न का उत्तर उचित ढंग से प्रस्तुत करने के लिए तैयार करने लगे। नारद के हृदय में उनसे संबंधित अनेकानेक विचार उत्पन्न होने लगे जो सारे गुणों और विशेषताओं के अथाह सागर थे। अपने मानसिक संतुलन को वापस लाने के लिए उन्हें समय चाहिए था। उनके मन में अत्यंत उल्लास उमड़ आया और शरीर का कंपन बड़ रहा था, हृदय की धड़कन तेज हो उठी और नेत्र में इस नायक की छवि स्थापित हो गई, जिसके कारण अन्य कुछ भी दिखाई देना कठिन हो गया था।

अश्रुपूरित नेत्रों को खोलते हुए नारद ने वाल्मीकि से कहा कि वे जिस नायक की खोज में हैं, जो इन सभी गुणों से पूर्ण हो, वे अन्य कोई नहीं अपितु प्रभु श्रीराम ही हैं। प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में किसी नायक की खोज में रहता है, जिसे वह पूज सके और उसका आश्रय ले सके। पूजने का अर्थ है कि उसकी छवि को मन में पूरी तरह से बसा लेना और नित्य अपने आदर्श नायक के पदचिह्नों पर चलने का प्रयत्न करना। परंतु उस नायक की परख करने के लिए जिन गुणों को हम अपने मापदंडों पर रखते हैं, उन पर हमें ध्यान देना चाहिए।

कुछ लोग केवल बाह्य-सौंदर्य को प्रधानता देते हैं, भले ही वह अंदर से कुरूप क्यों न हो, तो कुछ लोग धनाढ्य को प्रधानता देते हैं, भले ही वह हृदय से पूर्णत: निर्धन हो।

बगुआ से दूर करें निगेटिविटी

फेंग शुई में बागुआ या पा कुआ शीशे की काफी इंपॉर्टेंस रहती है। कई लोग इसके बारे में सुनकर इसे अपने घर या ऑफिस में लगाते हैं। फेंग शुई के मुताबिक इसे निगेटिव एनर्जी से घर को प्रोटेक्ट करने के लिए लगाया जाता है। सबसे जरूरी है कि इसका सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए।

ऐसा होता है ये यह एक अष्टकोण यानि ऑक्टागोनल शीशा होता है, जिसमें आठ किनारे होते हैं और सभी आठों साइड पर तीन-तीन फेंग शुई ट्राईग्राम्स यानि लाइंस होती हैं, जिनमें से कुछ टूटी हुई होती हैं तो कुछ पूरी। इन लाइनों में हमारे घर को निगेटिव एनर्जी से प्रोटेक्ट करने की केपेबिलिटी होती है।

इसके बीचों बीच एक गोल शीशा लगा होता है जो ना सिर्फ बाहर से आने वाली निगेटिव एनर्जी को अबजॉर्ब करता है बल्कि इसे वापस एनवॉयरमेंट में लौटा देता है ताकि यह किसी भी तरह से घर में न आएं। कब जरूरत होती है इनकी : कभी-कभी हमारा घर ऐसी लोकेशंस पर होता है, जहां हमारे न चाहते हुए भी कुछ निगेटिव एनर्जीस का आना लाजिमी है पर बागुआ मिरर की हेल्प से निगेटिविटी को दूर किया जा सकता है। ये रहीं वो लोकेशंस- अगर आपके घर के एंटरेंस पर कोई लैंप पोस्ट है।

अगर आपका घर किसी तिराहे पर है।

अगर आपका घर किसी फ्लाई ओवर को डायरेक्टली फेस कर रहा है। अगर घर के ठीक सामने या पास में कोई पुलिस स्टेशन, हॉस्पिटल, कब्रिस्तान या शमशान घाट है।

यहां लगाएं इन्हें इस शीशे को कभी भी घर के अंदर या ऑफिस के अंदर न लगाएं। यह आपके लिए बहुत ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकता है। इसे हमेशा अपने घर के बाहर की दीवार पर या बालकनी में बाहर की तरफ, उस तरफ फेस करते हुए लगाएं जहां से निगेटिव एनर्जी आ रही हों। अगर आपको लग रहा है कि लाइफ में कुछ ज्यादा ही समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है तो इसे लगाने से पहले आप किसी एक्सपर्ट की एडवाइस भी ले सकते हैं।

खुद को साबित करने के लिए मुझे कैरम बॉल की ज़रूरत नहीं : हरभजन

नई दिल्ली। पिछले 15 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बल्लेबाजों को परेशान करने के बाद हरभजन सिंह को अब कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है और उनका मानना है कि वह आगामी टूर्नामेंटों के लिये भी अपने आजमाये हुए मजबूत पक्षों पर ही भरोसा करेंगे. हरभजन को आस्ट्रेलिया दौरे के लिये भारत की टी20 टीम में चुना गया है जो मार्च में भारत में होने वाले विश्व टी20 से पहले होगा.

इस ऑफ स्पिनर से जब पूछा गया कि विश्व टी20 जल्द ही होने वाला है तो क्या वह इसके लिये कुछ खास गेंद इजाद कर रहे हैं, उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि मुझे प्रयोग करने या कैरम बॉल या इस तरह की किसी गेंद पर काम करने की जरूरत है. आफ ब्रेक और दूसरा मेरे मजबूत पक्ष हैं. इससे मुझे पिछले 15 वर्षों में अच्छे परिणाम मिले हैं और कोई भी मुझसे मेरे 700 अंतरराष्ट्रीय विकेटों को नहीं छीन सकता है.''

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करने के बाद भारत की एकदिवसीय टीम से बाहर किये जाने से वह निराश होंगे लेकिन उन्होंने इस बारे में एक भी शब्द नहीं कहा. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने चार मैचों में छह विकेट लिये और उनका इकोनोमी रेट 5.50 रहा. हरभजन ने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा. अभी मेरा ध्यान भारत के लिये विश्व टी20 जीतने पर है. मेरे नाम पर दो विश्व खिताब(2007 में टी20 और 2011 में 50 ओवरों का) हैं इसलिए यदि मैं अपनी विश्व खिताब की हैट्रिक पूरी करने में भारत की मदद कर सकता हूं तो यह वास्तव खास होगा.''

इसके साथ ही हरभजन को खुशी है कि भारतीय टीम में उनके करीबी दोस्त आशीष नेहरा ने लगभग साढ़े चार साल बाद वापसी की है.

उन्होंने कहा, ''आशीष नेहरा भारत के लिये मैच विजेता रहा है. उसने दक्षिण अफ्रीका में 2003 में विश्व कप के दौरान अहम भूमिका निभायी थी और वह 2011 विश्व कप अभियान में हमारा गुमनाम नायक था।

DDCA मुद्दे पर सहवाग और गंभीर के बाद जेटली के समर्थन में आए गांगुली

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने डीडीसीए मुद्दे को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली का बचाव किया है। गांगुली ने कहा कि नेता चुनाव के जरिए चुने जाते हैं और उनके पावर को चुनौती नहीं दी जा सकती। गौर हो कि इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज रहे वीरेन्द्र सहवाग और गौतम गंभीर दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में भ्रष्टाचार का कथित आरोप झेल रहे वित्त मंत्री अरुण जेटली का समर्थन किया था। घरेलू राज्य दिल्ली की तरफ से ही खेलने वाले सहवाग और गंभीर ने ट्वीटर पर अरूण जेटली का बचाव किया था। दिल्ली में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया है कि जेटली के दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) का अध्यक्ष रहते हुए संस्था में कई वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं और उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिये।

टेनिस स्टार सानिया मिर्जा के लिये ऐतिहासिक साल रहा 2015

नई दिल्ली। सानिया मिर्जा के लिये 2015 उपलब्धियों से भरा रहा जिसमें वह महिला युगल ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी और युगल टेनिस रैंकिंग में शीर्ष तक पहुंची जबकि युकी भांबरी भी नये अवतार में नजर आये। सानिया ने मार्च में स्विटजरलैंड की मार्तिना हिंगिस के साथ जोड़ी बनाई और दोनों का तालमेल गजब का रहा। दोनों ने अपने पहले ही टूर्नामेंट इंडियन वेल्स में खिताब जीता और सत्र के आखिर तक अपना दबदबा कायम कर लिया। चार्ल्सटन में सत्र की लगातार तीसरी जीत दर्ज करने के साथ ही सानिया युगल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची और उसे बरकरार रखा। सत्र के आखिर तक दोनों ने नौ खिताब अपने नाम कर लिये जिनमें विम्बलडन, अमेरिकी ओपन और सत्र का आखिरी डब्ल्यूटीए फाइनल्स शामिल है। दोनों ने साथ में 16 टूर्नामेंट खेला और उनका जीत हार का रिकार्ड 55.7 रहा है। टेनिस एकल में भारत को हालांकि उतनी कामयाबी नहीं मिली लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिये कि टेनिस में युगल वर्ग में भी लिएंडर पेस और महेश भूपति के बाद सानिया के रूप में दूसरा चैम्पियन पैदा करने में भारत को करीब 15 साल लग गए। सानिया ने 2015 में कुल 10 खिताब जीते जिनमें नौ मार्तिना के साथ और एक अमेरिका की बेथानी माटेक सैंड्स के साथ जीता।

बाजीराव मस्तानी और स्टार वार्स अलौकिक सिनेमा

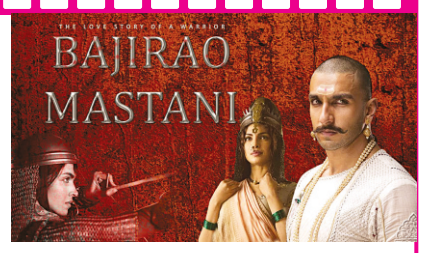

वर्तमान में सिनेमाघरों में बाजीराव मस्तानी और स्टारवार्स दिखाई जा रही है। दोनों फिल्मो में कई समानता है एक तरफ जहा भंसाली ने अदभुत मास्टरपीस रचा है जिसका हर एक फ्रेम सुंदरता की पराकाष्ठा हे। भव्य सेट, भारी वस्त्र, उम्दा अदाकारी और लाजवाब निर्देशन ने जहां बाजीराव को एक कालजयी फिल्म बना दिया वही अविश्वसनीय स्पेशल इफ़ेक्ट से सुसज्जित स्टारवार्स ने लुकास की गौरवगाथा को जारी रखा। आकाशगंगा की मायावी दुनिया एहसास कराती है की इस ब्रह्मांड में हम महज़ एक कण है। कोई भी फिल्मी पंडित इन दोनों फिल्मों को तीन स्टार से कम नहीं दे सकता लेकिन इसके पीछे की मेहनत को जितने स्टार्स दिए जाये कम हे। आश्चर्य होता हे की स्टारवार्स को हॉलीवुड में रिकॉर्डतोड़ कलेक्शन मिला जबकि बाजीराव तो दिलवाले के बराबर भी बिज़नस नहीं कर पायी। हर्ष होता हे की भंसाली की ये रचना किसी भी हॉलीवुड मूवी से कम नहीं है।

– अजय सिसोदिया

Ayush Samadhaan
Simpler way to reach your doctor
FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE
www.ayushsamadhaan.com

RAJPAL'S
GREENWOODS
MARRIAGE GARDEN
AVAILABLE FOR ALL TYPES OF PARTY
FOR BOOKINGS CONTACT:
न्यूमार्केट से मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर जूडीशयल एकेडमी के पास सभी सरकारी मान्यता प्राप्त व सर्वसुविधा युक्त, मो. 98260-51505

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, E-mail: parag073@gmail.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)